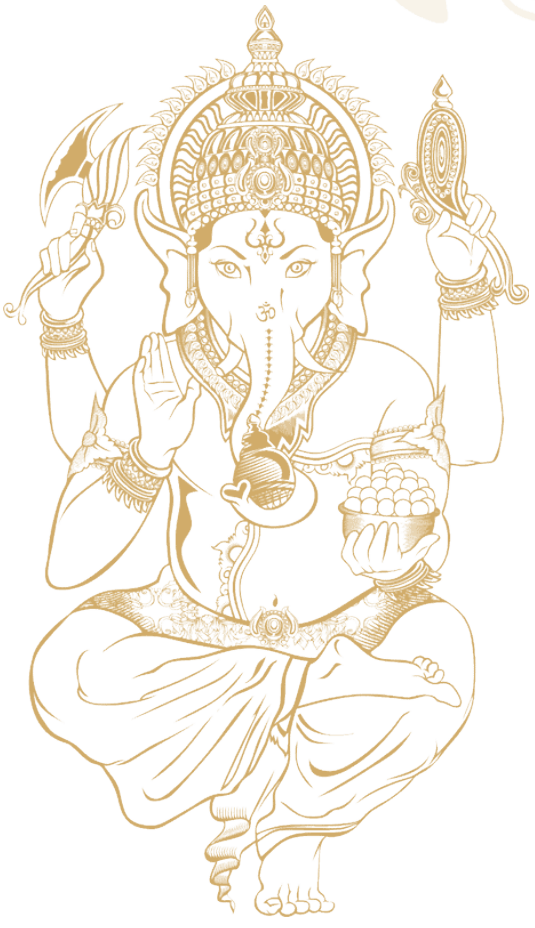

Aakask

22 May 2000

09:30 PM

Kota

Model: web-freekundliweb

Order No: 121913602

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**22/05/2000**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**21:30:00 घंटे**
इष्ट	39:38:13 घटी
स्थान	**Kota**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	25:11:00 उत्तर
रेखांश	75:58:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	21:03:52 घंटे
वेलान्तर	00:03:21 घंटे
साम्पातिक काल	13:06:13 घंटे
सूर्योदय	05:38:42 घंटे
सूर्यास्त	19:07:12 घंटे
दिनमान	13:28:30 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	07:59:31 वृष
लग्न के अंश	10:34:30 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**पूर्वाषाढ़ा - 4**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	शुभ
करण	बालव
गण	मनुष्य
योनि	वानर
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	श्वान
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ढा-ढालचंद
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	10:34:30	337:44:48	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	---
सूर्य			वृष	07:59:31	00:57:40	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			धनु	25:49:16	11:47:01	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	सम राशि
मंगल		अ	वृष	19:15:07	00:41:17	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	बुध	सम राशि
बुध			वृष	23:14:39	01:53:30	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	सूर्य	मित्र राशि
गुरु		अ	मेष	27:27:20	00:14:08	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	चंद्र	मित्र राशि
शुक्र		अ	वृष	02:38:50	01:13:44	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	गुरु	स्वराशि
शनि		अ	मेष	28:06:07	00:07:39	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	चंद्र	नीच राशि
राहु	व		कर्क	01:57:18	00:00:48	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	शत्रु राशि
केतु	व		मक	01:57:18	00:00:48	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष			मक	26:57:49	00:00:08	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	---
नेप	व		मक	12:39:40	00:00:27	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	17:57:15	00:01:36	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	---
दशम भाव			कन्या	24:05:27	--	चित्रा	--	14	बुध	मंगल	मंगल	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:51:29

लग्न-चलित

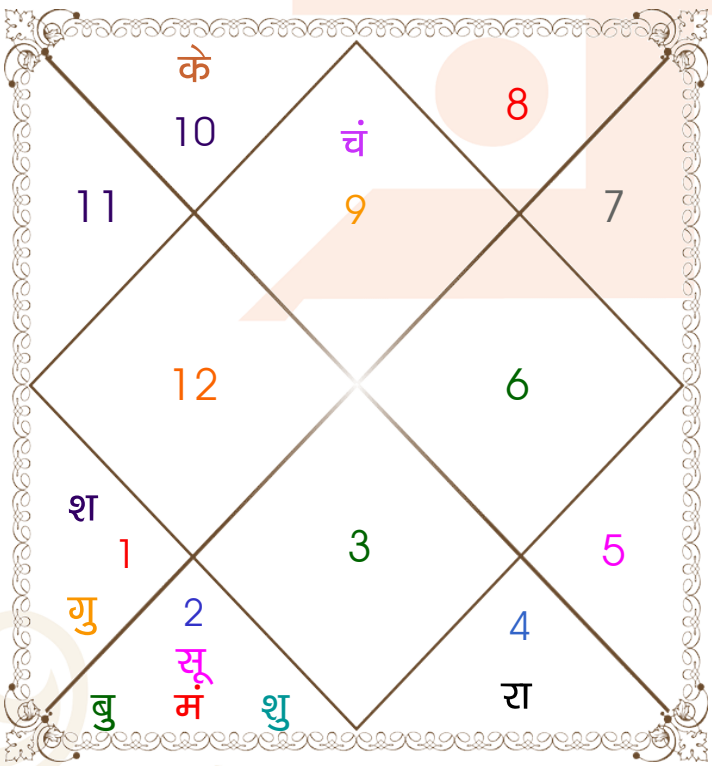

चन्द्र कुंडली

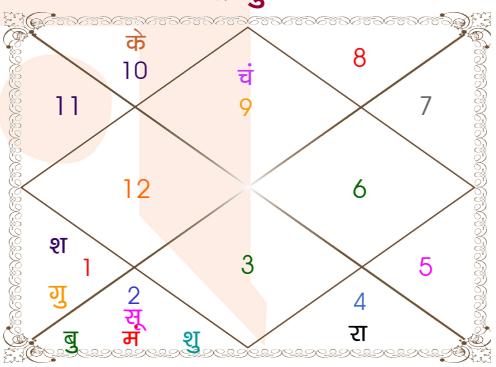

नवमांश कुंडली

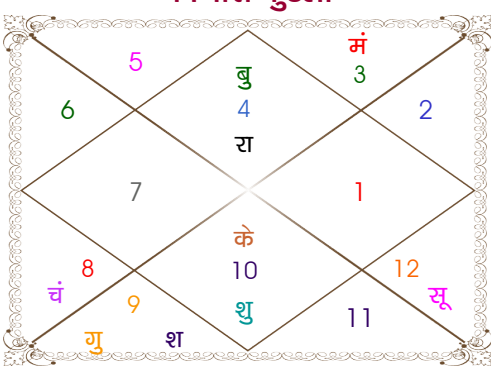

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 1 वर्ष 3 मास 6 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
22/05/2000		29/08/2001		29/08/2007		29/08/2017		28/08/2024	
29/08/2001		29/08/2007		29/08/2017		28/08/2024		29/08/2042	
	00/00/0000	सूर्य	16/12/2001	चंद्र	29/06/2008	मंगल	25/01/2018	राहु	12/05/2027
	00/00/0000	चंद्र	17/06/2002	मंगल	28/01/2009	राहु	12/02/2019	गुरु	04/10/2029
	00/00/0000	मंगल	23/10/2002	राहु	29/07/2010	गुरु	19/01/2020	शनि	10/08/2032
	00/00/0000	राहु	16/09/2003	गुरु	28/11/2011	शनि	27/02/2021	बुध	28/02/2035
	00/00/0000	गुरु	05/07/2004	शनि	29/06/2013	बुध	24/02/2022	केतु	17/03/2036
	00/00/0000	शनि	17/06/2005	बुध	28/11/2014	केतु	23/07/2022	शुक्र	18/03/2039
	22/05/2000	बुध	23/04/2006	केतु	29/06/2015	शुक्र	22/09/2023	सूर्य	09/02/2040
बुध	29/06/2000	केतु	29/08/2006	शुक्र	27/02/2017	सूर्य	28/01/2024	चंद्र	10/08/2041
केतु	29/08/2001	शुक्र	29/08/2007	सूर्य	29/08/2017	चंद्र	28/08/2024	मंगल	29/08/2042

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
29/08/2042		29/08/2058		29/08/2077		29/08/2094		30/08/2101	
29/08/2058		29/08/2077		29/08/2094		30/08/2101		00/00/0000	
गुरु	16/10/2044	शनि	01/09/2061	बुध	25/01/2080	केतु	25/01/2095	शुक्र	29/12/2104
शनि	29/04/2047	बुध	11/05/2064	केतु	21/01/2081	शुक्र	26/03/2096	सूर्य	29/12/2105
बुध	04/08/2049	केतु	20/06/2065	शुक्र	22/11/2083	सूर्य	01/08/2096	चंद्र	30/08/2107
केतु	11/07/2050	शुक्र	19/08/2068	सूर्य	28/09/2084	चंद्र	02/03/2097	मंगल	29/10/2108
शुक्र	11/03/2053	सूर्य	01/08/2069	चंद्र	27/02/2086	मंगल	29/07/2097	राहु	30/10/2111
सूर्य	28/12/2053	चंद्र	03/03/2071	मंगल	24/02/2087	राहु	17/08/2098	गुरु	30/06/2114
चंद्र	29/04/2055	मंगल	10/04/2072	राहु	13/09/2089	गुरु	24/07/2099	शनि	30/08/2117
मंगल	04/04/2056	राहु	15/02/2075	गुरु	20/12/2091	शनि	01/09/2100	बुध	23/05/2120
राहु	29/08/2058	गुरु	29/08/2077	शनि	29/08/2094	बुध	30/08/2101		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 1 वर्ष 3 मा 7 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मूल नक्षत्र के चतुर्थपाद से धनु लग्न में हुआ था। धनु लग्नोदय के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल कर्क राशि का नवमांश एवं मेष राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। अपने जन्माकृति एवं जन्म लग्नादि के प्रभाव से आपका जन्म उज्जवल भविष्य का सूचक है। परंतु इस स्वच्छ वातावरण में किञ्जित मात्र कालिमा बिंदु कतिपय अप्रियता की सूचना यह दे रहा है कि यह संभाव्य है कि आपको अपने पिता के साथ सुखदायक क्षणों का अधिक समय तक आनंद प्राप्त न कर सके। तथापि आप अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ सदैव व्यवहार में न्यूनता रहे तथा आपकी समझ से अपने बच्चों को अच्छा व्यवहार दें। साथ ही आपकी उन्नति धार्मिक आचरण के प्रति दिलचस्पी लेने से होगी। आप अपने जीवन में धर्म एवं दर्शन के प्रति समर्पित होकर उन्नति प्राप्त करें ऐसा संभाव्य है।

वृश्चिक राशीय गुण एवं प्रभाव के अनुसार आपकी धारण अच्छी रहेगी तथा आपका लक्ष्य भी उच्च स्तर का रहेगा। फलस्वरूप आप अपने लक्ष्य को महत्वपूर्ण ढंग से व्यवस्थित कर सकते हैं। परंतु आप अपने मन की अवधारणा को एकाग्रता पूर्वक सुनिश्चित कर लें कि एक समय एक ही कार्य उद्देश्य को अपना कर कार्यान्वित करें। आप अपनी इस प्रकार की अभिलाषा को विचारपूर्वक दमन करें कि एक ही समय पर अन्य कार्य को संपादित नहीं करें। इसके पश्चात मात्र अपनी अभिलाषित परियोजन से ही संतुष्ट होकर पुनः दूसरे कार्य व्यवसाय को प्रारंभ करने की अभिलाषा रखें। आप अपने अभ्युदय हेतु धार्मिक आयोजन की आकांक्षा रखे।

आपकी अंतिम अभिलाषा मानवीय गुणों से युक्त हैं तथा आप पूर्ण रूपेण इस विषय पर चिन्तनशील रहते हैं। आपके पास अत्यंत धन संपति होगा एवं आप सामाजिक लोकप्रियता का आनंद प्राप्त करेंगे तथा अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु अपने कार्य कलाप से सफलता प्राप्त करेंगे। आप प्रसन्नतापूर्वक भाग्यशाली होंगे। आप क्रीड़ा एवं खेलकूद के अतिरिक्त बाहरी कार्य व्यवसाय के साथ-साथ भ्रमणशील कार्य क्रम के प्रति भी आपके दिल में अनुराग रहेगा। अर्थात् आप दूर-दूर तक भ्रमण करेंगे। आप अपने मित्र मंडली के विस्तार हेतु भी सक्षम हैं। परंतु तब आपके अनेक प्रतिपक्षी भी उत्पन्न हो जाएगें। क्योंकि आप वर्हिमुखी प्रवृति के प्राणी हैं। आप जनसामान्य के मध्य कुछ बातें हवा में करेंगे। इस प्रकार की विचारधारा की लोग निंदा करेंगे तथा इस विषय की प्रतिक्रिया अन्यों के मन में होगी। आप अपने जीवन में तथ्यपूर्ण विषयों पर विश्वसनीयता बनाए रखें। आप कुछ तथ्यों की प्राप्ति हेतु अपने घर में सदैव सत्य वचन बोलें। तब ही आप सभी लोगों से अपेक्षित रहेंगे तथा बहुत लोग आपके आचरण को स्वीकृत करेंगे सभी लोग आप से ऐसी आकांक्षा रखते हैं तथा आपको पुरस्कार एवं सम्मान देना प्रारंभ कर देंगे। इसलिए आप स्पष्ट रूप से अन्यों के साथ प्रेम प्रसांगिक दिलचस्पी न लें। ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप के जीवन के प्रथम भाग्योन्नति की अवधि आपके जीवन के 27 वें एवं 31 वे वर्ष का समय स्वर्णिम काल प्रमाणित होगा। तब से आपका भाग्य अनुकूलता प्रदान करेगा। इस समयावधि में आप धन-संपति का संचय कर धनी बन जाएंगे तथा इस धन को शीत गृह की तरह संचित कर लिए तो आपके जीवन में कभी धन का अभाव नहीं रहेगा।

आपके स्वाभावानुगत, ज्ञान एवं उत्तेजनात्मक व्यवसायों में उत्तम एवं अनुकूल व्यवसाय जेनरालिज्म, पत्रकारिता, वकालत पेशा, राजनीति धार्मिक संस्थाओं से संबंधित अथवा शैक्षणिक संस्थाओं का संचालन आपके लिए उत्तम रहेगा।

यदि आप अपने स्वास्थ्य के संबंध में अनुकूलता बरतते रहे तो आप बहुत अधिक आयु तक स्वस्थ एवं प्रसन्न रहेंगे। तथापि आपको भविष्य में वायु-रोग, गठिया, कफ, ज्वाइन्ट पेन, रक्तचाप आदि रोग से सतर्क रहना उत्तम होगा।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 5, 3, 6 एवं 8 अंक भाग्यशाली है। इसके अतिरिक्त अंक, 2, 7 एवं 9 अंक प्रतिकूल है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन एकदम खराब है।